web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 12 दिसंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 75

महत्वपूर्ण एवं खास

पिहानी में भीषण सड़क हादसा, तीन लोगों की हुई मौत

हरदोई (आरएनएस)। हरदोई के पिहानी इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई। बाइक सवारों की दर्दनाक मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। तीनों राजमिस्त्री का कार्य करने के लिए जहानी खेड़ा गए थे और वापस आते वक्त पंडरवा के पास हादसे में तीनो की दर्दनाक मौत हो गई।तीनों एक ही गांव के रहने वाले है। पिहानी थाना क्षेत्र के रायपुर निवासी तीनो युवक राजमिस्त्री का कार्य करते थे। वह घर से जहानीखेड़ा जाने की बात कहकर काम करने चले गए। काम पूरा कर सुबह तीनो बाइक से घर वापस आ रहे थे। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों की दर्दनाक मौत हो गई। पिहानी के पंडरवा पास हुई तीनो की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। तीनों युवक राजकुमार, संजय, बबलू विवाहित है। उनके बच्चो सहित परिवार का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पिहानी पुलिस जांच में जुटी है।एएसपी दुर्गेश कुमार सिंह ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अज्ञात वाहन को पकड़ने के निर्देश दिए है। एएसपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत हुई है तीनो राजमिस्त्री का कार्य करते है वह कार्य निपटाकर घर वापस आ रहे थे। इसी दौरान पिहानी- जहानीखेड़ा मार्ग पर उनकी बाइक चपेट में आने से मौत हो गई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

भारत ने निभाई दोस्ती, रूसी तेल पर जी7 देशों के फैसले का नहीं किया समर्थन

नई दिल्ली (आरएनएस)। रूस ने जी-7 देशों और उनके सहयोगियों के रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का समर्थन नहीं करने के भारत के फैसले का स्वागत किया है। रूसी उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने रूस में भारतीय राजदूत पवन कपूर के साथ अपनी बैठक के दौरान बयान दिया। रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उप-प्रधानमंत्री ने रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का समर्थन नहीं करने के भारत के फैसले का स्वागत किया, जिसकी घोषणा पांच दिसंबर को जी7 देशों और उनके सहयोगियों द्वारा की गई थी। इससे पहले सितंबर में जी-7 देशों ने रूस से तेल आयात पर प्राइस कैप लगाने पर सहमति जताई थी। बयान के मुताबिक, नोवाक ने कहा कि रूस ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति के लिए अपने दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी से निभा रहा है और ऊर्जा संकट के बीच पूर्व-दक्षिण के देशों को ऊर्जा निर्यात कर रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि साल 2022 के पहले आठ महीनों में भारत को रूसी तेल आयात बढक़र 16.35 मिलियन टन पहुंच गया। विशेष रूप से, यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत ने रूस से तेल आयात करना जारी रखा। बता दें, इस साल गर्मियों के दौरान भारत को तेल की आपूर्ति के मामले में रूस दूसरे स्थान पर था। इसके अलावा, रूस से तेल उत्पादों और कोयले की आपूर्ति में भी बढ़ोतरी हुई है।

नौ नाबालिग व 1 शिशु को आरपीएफ ने छुड़ाया

गुवाहाटी (आरएनएस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस सप्ताह एनएफआर के तहत विभिन्न स्टेशनों से नौ नाबालिगों और एक शिशु को सफलतापूर्वक बचाया, अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, सब्यसाची डे ने बताया कि एनएफआर में मंगलवार से गुरुवार तक कई अभियान चलाए और जांच की गई, जहां 10 लोगों को बचाया गया। बाद में उन्हें उनकी सुरक्षित हिरासत और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित चाइल्डलाइन एनजीओ को सौंप दिया गया। मंगलवार को गुवाहाटी के आरपीएफ ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट इनिशिएटिव, गुवाहाटी के साथ मिलकर गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर चेकिंग की। चेकिंग के दौरान उन्होंने दो भागे हुए नाबालिग लडक़ों को छुड़ाया। कटिहार रेलवे स्टेशन पर उसी दिन चलाए गए अभियान में कटिहार के आरपीएफ ने तीन भगोड़े नाबालिग लडक़ों को छुड़ाया। बचाए गए सभी नाबालिगों को सुरक्षित हिरासत और मानदंडों के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए क्रमश: गुवाहाटी और कटिहार में रेलवे चाइल्डलाइन को सौंप दिया गया। इस बीच, बुधवार को एक अन्य घटना में, डिब्रूगढ़ की आरपीएफ एस्कॉर्ट पार्टी ने अवध असम एक्सप्रेस में एक नियमित जांच की, जहां उन्होंने माता-पिता या अभिभावक के बिना लगभग तीन महीने की उम्र के एक शिशु को बचाया।

नागपुर से बिलासपुर के बीच शुरू हुई वंदे भारत एक्सप्रेस, पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाकर नागपुर से किया रवाना

नागपुर । नागपुर से बिलासपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन शुरू हो गया है. आज शाम 4 बजे भाटापारा में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का स्वागत किया जाएगा. यह स्वागत भाटापारा विधायक शिवरतन शर्मा और स्थानीय लोगों द्वारा किया जाएगा. बता दें कि इस ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नागपुर में सुबह 9 बजे हरी झंडी दिखाकर किया है.

नागपुर से बिलासपुर के बीच चलने वाली इस ट्रेन का आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के एक दर्जन से ज्यादा रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत किया जाएगा. शाम करीब 4 बजे यह ट्रेन भाटापारा रेलवे स्टेशन पहुंचेगी, जहां स्थानीय विधायक शिवरतन शर्मा और स्थानीय लोगों द्वारा ट्रेन का स्वागत किया जाएगा. आपको बता दें कि यह ट्रेन फिलहाल सिर्फ उद्घाटन वाले दिन ही भाटापारा में रुकेगी. हालांकि भाटापारा स्टेशन पर ट्रेन को स्थायी स्टॉपेज दिए जाने की मांग की जा रही है. जिससे जिले की जनता को सीधा लाभ मिल सके.

बता दें कि पीएम मोदी आज महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर हैं. इसी दौरान उन्होंने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन किया. यह ट्रेन शनिवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी. नागपुर से बिलासपुर की दूरी यह ट्रेन महज 5.30 घंटे में पूरा करेगी. इस रूट पर चलने वाली यह सबसे तेज गति की ट्रेन होगी.

बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर में 14.05 मिनट पर नागपुर से रवाना होगी. यह ट्रेन गोंदिया, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर जंक्शन पर रुकेगी. शाम 7.35 पर यह ट्रेन बिलासपुर पहुंचेगी. वहीं नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस बिलासपुर से सुबह 6.45 बजे चलेगी और दोपहर में 12.15 बजे नागपुर पहुंच जाएगी. आईआरसीटीसी की वेबसाइट के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन का इन दोनों शहरों के बीच का किराया 1240 रुपए रखा गया है. वहीं एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2240 रुपए है.

वंदे भारत एक्सप्रेस से सुरक्षा जवान की कटकर मौत

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर से नागपुर के बीच सबसे तेज चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की सुरक्षा के लिए निकले बम स्क्वायड एक जवान की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगे सीमावर्ती क्षेत्र के सालेकसा में पुलिस अफसर और जवानों की टीम सर्चिंग कर रही थी. उसी समय ट्रैक पर ट्रेन आ गई और जवान उसकी चपेट में आ गया। वंदे भारत ट्रेन को लेकर नागपुर में वीवीआईपी मूवमेंट था. इस ट्रेन के शुरू होने से पहले रेलवे अफसर और रेलवे सुरक्षाबल, जीआरपी के साथ लोकल पुलिस भी अलर्ट मोड पर हैं। डोंगरगढ़ स्टेशन आगे महाराष्ट्र के सालेकसा और दरेकसा इलाका नक्सल प्रभावित है. शनिवार को गोंदिया लोकल पुलिस के बम निरोधक दस्ते में कार्यरत आरक्षक विजय नसीने गोंदिया पुलिस के डॉग स्क्वायड और उप निरीक्षक धनराज कुलमेठे के साथ सुरक्षा की चेकिंग पर निकले. वंदे भारत एक्सप्रेस के शुरू होने से पहले सुरक्षा के मद्देनजर ये जवान डोंगरगढ़ के रेलवे सुरक्षाबल के प्रधान आरक्षक करतार सिंह सहित बोरतलाव और दरेकसा के बीच सेक्शन पर रेलवे ट्रैक पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 12.20 बजे जिस अप लाइन पर चेकिंग चल रही थी. उसी समय अप लाइन पर सिकंदराबाद-दरभंगा एक्सप्रेस आ गई, जिसकी चपेट में आने से आरक्षक विजय नसीने ट्रेन की मौके पर ही मौत हो गई।

श्रद्धा मर्डर केस में हुआ बड़ा खुलासा, आफताब ने श्रद्धा के पिता से कही थी श्रद्धा के जाने की बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड मामले में दिल्ली पुलिस लगातार कई सबूतों की तलाश में जुटी हुई है। इसी बीच श्रद्धा वॉकर के पिता ने दिल्ली पुलिस को भी बयान दर्ज कराए है। इसमें सामने आया कि विकास ने आफताब और उनके बीच हुई कुछ बातचीत का भी जिक्र किया है। श्रद्धा के पिता ने बताया कि श्रद्धा घर से कब गई थी। उन्होंने पुलिस को ये जानकारी भी दी है कि अंतिम बार श्रद्धा से उनकी कब बात हुई थी। उन्होंने ये भी बताया कि श्रद्धा ने बताया था कि वो आफताब के साथ बेंगलुरू में रह रही है। हालांकि इसके बाद उन्होंने आफताब से भी बात की थी। दरअसल जब लंबे समय तक श्रद्धा का पता नहीं चला तो श्रद्धा के पिता ने आफताब से भी बात की थी। तब आफताब ने कहा था कि श्रद्धा उसे छोडक़र कहीं चली गई है।

आफताब के लिए फांसी की मांग- बता दें कि श्रद्धा के पिता ने इस मामले में आफताब के लिए फांसी की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जानी चाहिए। इसके अलावा श्रद्धा के पिता ने मुंबई पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ये सब पुलिस की ढिलाई और लापरवाही के कारण हुआ है। उन्होंने ये भी मांग की है कि इस मामले में आफताब के परिजनों से भी गंभीरता से पूछताछ होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस से शिकायत करने के बाद अगर इस मामले को सख्ती से लिया जाता तो घटना का खुलासा जल्दी हो जाता। श्रद्धा के पिता ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि श्रद्धा लापता है तो वो आफताब की मां से मिले थे ताकि श्रद्धा की खोज खबर जान सकें मगर उन्हें भी कोई जानकारी नही थी। श्रद्धा के पिता ने इस मामले में आफताब के परिवार से पूछताछ करने की मांग की है।

शिक्षक भर्ती घोटाला : माणिक भट्टाचार्य के विरोधी भाई के बयान से ईडी को मिले महत्वपूर्ण सुराग

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के भाई के बयानों से कई सुराग मिले हैं। जिसका उपयोग केंद्रीय अपने मामले को मजबूत बनाने के लिए कर रही है।

ईडी के सूत्रों ने कहा कि हाल ही में उनके अधिकारियों ने पूछताछ के दौरान उनके भाई और उसकी पत्नी से कुछ बैंक खातों के संबंध में कथित रूप से घोटाले की कार्यवाही को डायवर्ट करने के लिए इस्तेमाल किए जाने के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने इस मामले में घसीटने के लिए गुमराह करने का आरोप लगाया है।

हालांकि भट्टाचार्य के दो भाई हैं, लेकिन आगे की जांच के लिए ईडी के अधिकारी उस व्यक्ति का नाम लेने से बचते रहे जिससे उन्होंने उनकी पत्नी के साथ पूछताछ की थी। ईडी ने कहा कि हमारे अधिकारियों ने सबसे पहले उस भाई की पत्नी से पब्लिक सेक्टर के बैंक में छह बैंक खातों के बारे में पूछताछ की जिनमें करोड़ों रुपये जमा किए गए थे और 2020 में एक विशिष्ट अवधि के भीतर निकाले गए थे।

ईडी के एक अधिकारी ने कहा, महिला हैरान थी और उसने दावा किया कि उसे इन बैंक खातों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, शायद ये खाते उसके जाली हस्ताक्षर से खोले गए थे। पूछताछ के दौरान उनके पति और भट्टाचार्य के उस भाई ने केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को एक संभावित सुराग दिया कि जालसाजी कैसे की गई थी। उन्होंने कहा कि उनके बड़े भाई ने कुछ साल पहले उन्हें विदेश भेजने और उनके पासपोर्ट की व्यवस्था करने का वादा किया था। आवेदन उद्देश्यों के लिए उनके पैन कार्ड, आधार कार्ड और ईपीआईसी कार्ड की प्रतियां और एक कोरे कागज पर उनके हस्ताक्षर भी लिए थे।

सूत्रों ने कहा कि उसके भाई की पत्नी ने बताया कि उसका अपने पति के साथ दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके में एक अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में ज्वाइंट अकाउंट था, जिसके दस्तावेज पासबुक सहित भट्टाचार्य द्वारा जबरदस्ती लिए गए थे। इसके बाद उन्होंने उन्हें बताया था कि उस खाते में कुछ खामी थी इसलिए उसे बंद कर दिया गया है। ईडी ने 7 दिसंबर को कोलकाता में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत में एक सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश की है, जिसमें उसने भट्टाचार्य, उनकी पत्नी सतरूपा भट्टाचार्य और बेटे सौविक भट्टाचार्य को नामजद किया है।

15 फरवरी से शुरु होंगी सीबीएसई 10वीं-12वीं की परीक्षाएं

0 जनवरी में होगें प्रैक्टिकल

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा 15 फरवरी से शुरू होगी। बोर्ड ने परीक्षा शुरू होने की तारीख तो बताई है लेकिन अभी आधिकारिक तौर पर परीक्षाओं की डेटशीट जारी नहीं की है। बोर्ड का कहना है कि जल्द ही दसवीं और बारहवीं कक्षा के लिए विषयवार डेटशीट जारी की जाएगी। इसके साथ ही सीबीएसई बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि जनवरी माह से 10वीं एवं 12वीं के प्रैक्टिकल शुरू कर दिए जाएंगे। सीबीएसई बोर्ड ने प्रैक्टिकल को लेकर एक आधिकारिक नोटिस जारी कर दिया है। सीबीएसई के नोटिस के मुताबिक प्रैक्टिकल, 1 जनवरी 2023 से शुरू होगें। प्रैक्टिकल की अधिक जानकारी के लिए छात्र सीबीएसई की वेबसाइट पर जा सकते हैं। बोर्ड ने अपने नोटिस में कहा है कि वार्षिक प्रैक्टिकल परीक्षाएं, इंटरनल असेसमेंट, प्रोजेक्ट असेसमेंट 1 जनवरी 2023 से शुरू होने हैं।

वहीं आईसीएसई बोर्ड की बात करें तो कक्षा 10 के लिए इसकी परीक्षाएं 27 फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। वहीं आईसीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षाएं 13 फरवरी से शुरू होंगी।

सीबीएसई बोर्ड ने छात्रों के साथ साथ देश भर में फैले अपने स्कूलों को भी दिशानिर्देश जारी किए हैं। बोर्ड द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक छात्रों को प्रैक्टिकल के शेड्यूल के मुताबिक स्कूलों में उपस्थित होना होगा। सीबीएसई बोर्ड के मुताबिक प्रैक्टिकल में अनुपस्थित रहने वाले छात्रों को प्रैक्टिकल देने का दूसरा अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा। ऐसे में यह जरूरी है कि छात्र तय तिथि पर प्रैक्टिकल्स में शामिल हो। सभी छात्रों को उनके स्कूलों द्वारा प्रैक्टिकल की तारीख और प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जाएगी।

कोरोना महामारी के कारण बीते वर्ष दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं दो अलग-अलग सत्रों में आयोजित की गई थी। हालांकि इस वर्ष ऐसा नहीं है। इस बार बोर्ड परीक्षाएं कोरोना काल से पहले की ही तरह सामान्य तौर पर आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही सीबीएसई ने बोर्ड ने सभी संबंधित स्कूलों को 1 जनवरी से शुरू हो रहे प्रैक्टिकल तय समय सीमा के भीतर पूरा कर लेने के स्पष्ट निर्देश भी जारी किए हैं।

सीबीएसई बोर्ड का कहना है कि 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जल्दी ही जारी की जाएगी। सीबीएसई का कहना है कि उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर ही टाइम-टेबल जारी किया जाएगा। इसके साथ ही सीबीएसई बोर्ड ने छात्रों से कहा है कि उन्हें किसी भी अन्य डेट शीट या सोशल मीडिया पर शेयर की जाने वाली जानकारी से भ्रमित नहीं होना चाहिए। किसी भी जानकारी की पुष्टि बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से की जा सकती है।

चक्रवात ‘मंडूस’ का कहर, तमिलनाडु में 5 लोगों की मौत, 10000 ने ली शेल्टर होम में शरण

चेन्नई (आरएनएस)। चक्रवात ‘मंडूस’ के जमीन से टकराने के बाद तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 10,000 लोग आश्रय गृहों में हैं। तमिलनाडु के राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि, चक्रवात ‘मंडूस’ के बाद हुई बारिश में करीब 300 घर क्षतिग्रस्त हो गए और चेन्नई और इसके उपनगरों में 169 आश्रय स्थल बनाए गए हैं।

तमिलनाडु के कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और विल्लुपुरम जिलों में घोषित रेड अलर्ट रविवार को भी जारी रहा।

तमिलनाडु सरकार चक्रवात से हुए भारी नुकसान को देखते हुए सोमवार को भी कॉलेजों सहित स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश घोषित कर सकती है। चक्रवात के दौरान 500 से अधिक पेड़ उखड़ गए और ग्रेटर चेन्नई निगम के अधिकारियों ने रविवार सुबह तक उन्हें हटा दिया। पेंथियन रोड, चेन्नई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम आउटलेट पर एक विशाल बरगद का पेड़ गिरने के बाद क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कर्मचारी सुरक्षित हैं। उनके जाने के बाद बरगद का पेड़ गिरा। चक्रवात के दौरान उखड़े पेड़ों को हटाने में ग्रेटर चेन्नई पुलिस भी शामिल है। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मीडियाकर्मियों से कहा कि, चक्रवात ‘मंडूस’ के लिए उचित तैयारी और योजना के कारण संबंधित विभाग हरकत में आ गए हैं और इस तरह नुकसान कम हुआ है।

मुख्यमंत्री बनने के बाद आया सुखविंदर सिंह सुक्खू का पहला बयान

नई दिल्ली (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के तौर पर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शपथ ले ली है। वो राज्य 15वें मुख्यमंत्री बने है। वहीं मुकेश अग्निहोत्री ने राज्य के उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। 11 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद पहली बार सुक्खू का बयान भी आया है।

उन्होंने शपथ लेने के बाद कहा कि हमने चुनाव से पहले 10 गारंटियां दी थी। हम उन गारंटियों को लागू करेंगे। कैबिनेट के विस्तार के बाद बैठक में फैसला होगा कि पहले किस योजना पर काम करना है। हम राज्य में पारदर्शी और ईमानदार सरकार देंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा सबसे अहम मुद्दा ओपीएस यानी पुरानी पेंशन स्कीम का रहा है। हम पहली कैबिनेट की बैठक में इस मुद्दे को लागू करेंगे। चुनाव से पहले जितने वादे पार्टी ने किए थे उन सभी को पूरा किया जाएगा। बता दें कि रविवार को सुक्खू के साथ पूर्व नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री ने भी हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

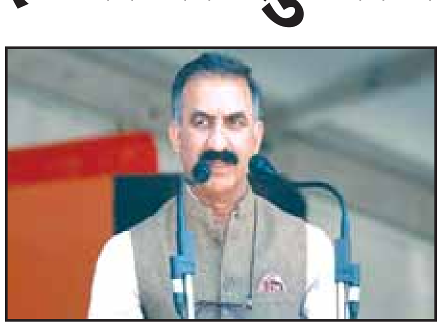

वीरभद्र के बाद सुक्खू को कमान

सुक्खू को पार्टी के दिग्गज नेता वीरभद्र सिंह का आलोचक माना जाता था जिन्होंने पांच दशक से अधिक समय तक हिमाचल प्रदेश की राजनीति पर अपना दबदबा कायम रखा था। सिंह का पिछले साल निधन हो गया था। वीरभद्र सिंह की करिश्माई मौजूदगी के बिना इस राज्य में पार्टी की पहली जीत के साथ, सुक्खू को इस शीर्ष पद पर विराजमान करना यह स्पष्ट करता है कि पार्टी आगे बढऩे के लिए तैयार है।

सुक्खू एक सामान्य परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता सडक़ परिवहन निगम में चालक के पद पर कार्यरत थे। सुक्खू अपने शुरुआती दिनों में छोटा शिमला में दूध का काम किया करते थे। छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के साथ अकसर टकराव होने के बावजूद सुक्खू 2013 से 2019 तक रिकॉर्ड छह साल तक पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष बने रहे। हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सत्ता छीनने के बाद सुक्खू और प्रतिभा सिंह दोनों ने मुख्यमंत्री पद के लिए दावा पेश किया था।

सुक्खू शीर्ष पद पर काबिज होने वाले निचले हिमाचल के पहले कांग्रेसी नेता हैं। भाजपा के प्रेम कुमार धूमल के बाद वह हमीरपुर जिले से दूसरे मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले और कांग्रेस प्रचार समिति के प्रमुख रहे नादौन सीट से विधायक सुक्खू को शनिवार को सर्वसम्मति से कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी आलाकमान का सुक्खू पर विश्वास तभी जाहिर हो गया था जब उन्हें कांग्रेस चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बड़ी संख्या में उनके समर्थकों को पार्टी का टिकट मिला था। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत किया और कार्यकर्ताओं तथा विधायकों के साथ उनके तालमेल ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार बना दिया।

राज्य की 68 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास 40 विधायक हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव 12 नवंबर को हुआ था और नतीजों की घोषणा बृहस्पतिवार को की गई। जुलाई 2021 में वीरभद्र सिंह के निधन के बाद से राज्य में यह पहला चुनाव था। सुक्खू कांग्रेस से संबद्ध नेशनल स्टूडेन्ट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की राज्य इकाई के महासचिव थे। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से एमए और एलएलबी की थी। जमीनी स्तर पर काम करते हुए वह दो बार शिमला नगर निगम के पार्षद चुने गए थे। उन्होंने 2003 में नादौन से पहली बार विधानसभा चुनाव जीता और 2007 में सीट बरकरार रखी लेकिन 2012 में वह चुनाव हार गए थे। इसके बाद 2017 और 2022 में उन्होंने फिर से जीत दर्ज की।